This question paper contains 7 printed pages]

आपका अनुक्रमांक.....

8616

B.Com. (बी.कॉम.)/III AS

HINDI—Paper XV

हिंदी—प्रश्नपत्र XV

(हिंदी भाषा, साहित्य एवं साहित्येतिहास)

(प्रवेश-वर्ष 2006 और तत्पश्चात्)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 100

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

टिप्पणी :—प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक SOL/NCWEB/Non-Formal Cell के विद्यार्थियों के लिए अनुप्रयोज्य हैं। तथापि ये अंक नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के संबंध में उनके परिणाम के संकलन के लिए नियुक्त अधिनिर्णय के समय पर, उनके आनुपातिक रूप में कम होंगे।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) ऊँच-नीच का भेद न माने, वही श्रेष्ठ ज्ञानी है,
दया-धर्म जिसमें हो, सबसे वही पूज्य प्राणी है।
क्षत्रिय वही, भरी हो जिसमें निर्भयता की आग,
सबसे श्रेष्ठ वही ब्राह्मण है, हो जिसमें तप-त्याग। 8

P.T.O.

अथवा

इसीलिए ध्येय में नहीं, धर्म तो सदा निहित, साधन में है,
वह नहीं किसी भी प्रधन-कर्म, हिंसा, विग्रह या रण में है।
तब भी जो नर चाहते, धर्म समझे मनुष्य संहारों को,
गूँथना चाहते वे, फूलों के साथ तप्त अंगारों को।

(ख) यह तुम नहीं, तुम्हारा स्वार्थ बोल रहा है। स्वार्थ को इतनी छूट देना ठीक नहीं कि वह विवेक को ही खा जाए। अख़बारों को तो आज़ाद रहना ही चाहिए। वे ही तो हमारे कामों का, हमारी बातों का असली दर्पण होते हैं। मेरा तो उसूल है कि दर्पण को धुँधला मत होने दो। हाँ, अपनी छवि देखने का साहस होना चाहिए आदमी में। बड़ी हिम्मत और बूता चाहिए उसके लिए। इससे जो कतराता है, वह दूसरे को नहीं, अपने को ही छलता है।

अथवा

जीवन के आदि और उत्कर्ष के बीच एक और सीढ़ी है—जीवन का पुरुषार्थ। अपराध क्षमा हो आचार्य, आपकी कला उस पुरुषार्थ को भूल गयी है। जब मैं इन मूर्तियों

में बँधे रसिक जोड़ों को देखता हूँ तो मुझे याद आती है पसीने में नहाते हुए किसान की, कोसों तक धारा के विरुद्ध नौका को खेने वाले मल्लाह की, दिन-दिन भर कुल्हाड़ी लेकर खटने वाले लकड़हारे की। इनके बिना जीवन अधूरा है, आचार्य! 7

2. 'रश्मिरथी' की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए। 10

अथवा

'रश्मिरथी' के आधार पर कृष्ण की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

3. 'महाभोज' के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

बिसू (बिसेसर) का चरित्रांकन कीजिए।

4. 'कोणार्क' का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

विशु की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

5. 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' के आधार पर उत्तर दीजिए : 10

(*i*) लेखक के पूर्वपुरुष मनसा को उनके गुरु महाराज ने तीन रुपये देते हुए क्या कहा था ?

(*ii*) आर्थिक तंगी के दिनों में राधा ने कौन-कौन से कार्य किए ?

(*iii*) लेखक के पिता किन दो ग्रंथों का नियमित पाठ करते थे ?

(*iv*) हिन्दू-मुस्लिम दंगे के समय लेखक के पिता प्रतापनारायण के व्यवहार का वर्णन चार वाक्यों में कीजिए।

अथवा

'अतीत के चलचित्र' के आधार पर उत्तर दीजिए :

(*i*) रामा की लंबी शिखा को लेखिका कभी क्यों नहीं काट पाई ?

(*ii*) पंडिताइन चाची बिन्दा के लिए कौनसी कठोर बातें कहती थीं ?

(*iii*) सबिया किस शब्द का अपभ्रंश रूप है ?

(*iv*) गुरु साहब को शहर जाने से रोकने के लिए घीसा बीमारी की अवस्था में भी उठकर क्यों आया ?

6. भक्तिकाल की सामान्य प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए। 15

अथवा

छायावादी कविता की विशेषताएँ बताइए।

7. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए : 10

(*i*) कबीर

(*ii*) रामचरितमानस

(*iii*) धूमिल

(*iv*) साकेत।

8. (क) किसी **एक** का पल्लवन कीजिए : 4

(*i*) पराधीन सपनेहुँ सुख नाहीं

(*ii*) दया धर्म का मूल है

(*iii*) कर्म ही पूजा है।

(ख) प्रस्तुत अनुच्छेद के आधार पर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

पुस्तकें ज्ञान का भंडार होती हैं। वे हममें विचार-शक्ति पैदा करती हैं, जिससे हम अपना ही नहीं, अपने समाज और राष्ट्र का विकास करने में सक्षम होते हैं। प्राय: तर्क दिया जाता है कि इस वैज्ञानिक युग में इलैक्ट्रॉनिक मीडिया द्वारा प्रदत्त आविष्कारों ने पुस्तकों के महत्त्व को कम कर दिया है। किन्तु ज्ञान को स्थाई रखने का महत्त्वपूर्ण साधन आज भी पुस्तकें ही हैं। रेडियो, टी.वी. पर शिक्षाप्रद कार्यक्रम एक बार सुने व देखे जा सकते हैं, परन्तु एक ही पुस्तक बार-बार पढ़ी जा सकती है। वास्तव में पुस्तक व्यक्ति का उत्तम साथी है। ये हमारा मार्गदर्शन करती हैं, कठिनाई व दुविधा के समय सहायक होती हैं।

(*i*) हम अपना, समाज का व राष्ट्र का विकास कैसे कर सकते हैं ?

(*ii*) ज्ञान का स्थाई साधन पुस्तकों को क्यों कहा गया है ?

अथवा

हिंदी में अनुवाद कीजिए :

Honourable living is about accomplishment not just achievement. Honour and honourable living has many dimensions. It relates to individual, professional and social. All these dimensions are interconnected and influence one another. Weakness in any area could disrupt living with respect and dignity. A society is nothing but a composite of individuals. The collective behaviour of individuals is called culture. Some cultures are more conducive to honourable living than others. In those cultures, trust and transparency lead to general well being of people. 8

(ग) अपनी किसी अविस्मरणीय यात्रा का वर्णन संक्षेप में लिखिए। 8

अथवा

'2 जी स्पेक्ट्रम घोटाले के विषय में अपने विचार व्यक्त करते हुए समाचार-पत्र के संपादक के नाम पत्र लिखिए।